(ख) यदि हां, तो ऐसे पदों की श्रेणी-वार संख्या कितनी है ;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले दो सत्रों के दौरान इन रिक्त पदों को भरने के लिये अभी तक कोई भर्ती नहीं की गई है ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) अध्यापकों की भर्ती की प्रक्रिया कब तक शुरू होने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) उन पदों की संख्या जिस पर सत्र के आरम्भ में नियमित अध्यापकों को तैनात नहीं किया जा सका, निम्नलिखित है:-

पी०जी०टी०	1047
टी०जी०टी०	870
पी०आर०टी०	801
विविध वर्गों के अध्यापक	873

(ग) से (ङ) नामों के विद्यमान पैनल क्योंकि उपयोगिता की प्रक्रिया में है, अतः कोई नयी नियुक्ति नहीं की गयी थी ।

केन्द्रीय विद्यालयों में योग अध्यापक

859. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन में योग अध्यापकों के कार्य की नियमित सावधिक पुनरीक्षा के लिये कोई कदम उठाये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (ग) योग शिक्षण की योजना आरंभ में प्रयोगात्मक आधार पर एक वर्ष के लिए वर्ष 1981 में केन्द्रीय विद्यालयों में शुरू की गई थी । यह लगातार समीक्षाधीन रही है । प्रथम समीक्षा भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कालेज हैदराबाद द्वारा वर्ष 1982-83 में की गई थी जिसने सिफारिश की थी कि प्रयोग की स्थिति में योग शिक्षा कार्यक्रम का मूल्यांकन अपेक्षाकृत कठोरतापूर्वक किया जाना चाहिए और संभव हो तो यह कार्य शैक्षिक वर्ष 1983-84 के अंतिम दिनों में किया जाए ।

तदनुसार, वर्ष 1983-84 के अंतिम दिनों में डा० पी० डी० शुक्ल की अध्यक्षता में एक समिति ने इस योजना का मूल्यांकन किया तथा जून, 1985 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की । इस समिति की रिपोर्ट की जांच मानव संसाधन विकास मंत्रालय में जनवरी, 1986 में की गई तथा योजना को पुनः प्रयोगात्मक आधार पर शैक्षिक वर्ष 1986-87 के अन्त तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया ।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शासी बोर्ड ने 26 सितम्बर, 1986 को संपन्न हुई अपनी बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये :—

(i) योग को केन्द्रीय विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के साथ समेकित कर दिया जाना चाहिए ।

(ii) योग को 1 से 5 कक्षाओं तक नहीं पढ़ाया जाना चाहिए ।

(iii) मौजदा योग शिक्षकों को तीन वर्षों की अवधि में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षिक तथा व्यावसायिक अर्हताओं को प्राप्त करने के लिए निर्देश दिया जाना चाहिए ।

(IV) केन्द्रीय विद्यालयों के मौजूदा शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को, जो योग शिक्षण के लिए अपेक्षित अर्हताएं नहीं रखते, ख्याति प्राप्त संस्थानों द्वारा योग में अधिविन्यास दिया जाना चाहिए।

तत्पश्चात् दिसम्बर, 1988 में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शासी बोर्ड ने योजना को और आगे समीक्षा की तथा निर्णय लिया कि केन्द्रीय विद्यालयों में योग एक पृथक विषय के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए तथा अंशकालिक योग शिक्षकों की नियुक्ति उन स्कूलों में की जानी चाहिए जहां (VI से XI) कक्षाओं में सिर्फ 15 सेक्शन तक हों। यह भी निर्णय लिया गया कि वे योग शिक्षा जो शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की अपेक्षित अर्हताएं रखते हैं उन्हें शारीरिक शिक्षा शिक्षक अथवा योग शिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए विकल्प किया जाना चाहिए।

वर्तमान में योग VI से XI कक्षाओं तक एक पृथक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है।

Assistance to voluntary agencies for adult education

860. SHRI RAM NARESH YADAV: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state the amounts allocated during the year 1991-92 to voluntary agencies for adult education and what has been the outcome thereof till date?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Rs. 4,49,60,315 have been released to voluntary agencies under the Central Scheme of Assistance to Voluntary Agencies in Adult Education during 1991-92 (upto 25th November, 1991) in respect of on going projects of literacy/adult education, in addition to grants to State Resource Centres and Evaluation Agencies for providing academic support and evaluation of adult education project respectively. Therefore, it would be too early to indicate outcome.

Rs. 16,47,38,959 have been released under Total Literacy Campaigns during 1991-92 (upto 25th November, 1991). The total Literary Campaigns sanctioned this year are in different stages of implementation.

Preservation of birth place of Ahom princess of Assam

861. SHRI BHADRESWAR BURAGOHAIN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to preserve the birth place of Joymeti Kunwari, the Ahom princess of Assam;

(b) whether Government propose to install a statue of the princess at the site; and

(c) whether the Archaeological Survey of India propose to proceed with the proposal in consultation with the leading Ahom historians of Assam?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) No, Sir.

(c) Does not arise.

उत्तर प्रदेश में साक्षरता कार्यक्रम

862. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1989-90 और 1990-91 के दौरान सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को विभिन्न साक्षरता संवर्द्धन कार्यक्रमों के लिए दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस राज्य में साक्षरता में कितनी वृद्धि हुई है ; और

(ग) क्या राज्य को साक्षरता संवर्द्धन कार्यक्रमों के लिए दी गई केन्द्रीय निधि के उपयोग की निगरानी करने हेतु सरकार ने कोई तंत्र तैयार किया है ?